

Section—I

No. of Printed Pages : 8

MHI-03**MASTER OF ARTS (HISTORY)****(MAH)****Term-End Examination****December, 2021****MHI-03 : HISTORIOGRAPHY***Time : 3 Hours**Maximum Marks : 100*

Note : (i) Answer any **five** questions in about
500 words each.

(ii) Attempt at least **two** questions from each
Section.

(iii) All questions carry equal marks.

1. What is causation ? Discuss the method followed in history for establishing causality. 20
2. Discuss the Greco-Roman traditions of history-writing. 20
3. Describe the tradition of Indo-Persian historiography under the Mughals. 20
4. Give an analytical account of the various traditions of historiography which constitute the positivist tradition. 20
5. Write a note on 'microhistory' with reference to the writings of some historians associated with this trend. 20

[3]

MHI-03

Section—II

6. What is post-modernism ? Discuss the post-modernist views on history. 20
7. Write a note on the recent historiography on environment, science and technology. 20
8. Describe the term 'history from below'. Discuss it with reference to the history-writing on India. 20
9. Critically discuss the nationalist historiography on India. 20
10. Write short notes on any *two* of the following in about *250* words each : 10+10
- (a) D. D. Kosambi and the paradigm shift in Indian historiography

P. T. O.

[4]

MHI-03

- (b) The Cambridge school on Indian nationalism
- (c) Feminist historiography on India
- (d) Kalhana and the *Rajatarangini*

MHI-03

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (इतिहास)

(एम.ए.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर . 2021

एम.एच.आई.-03 : इतिहास-लेखन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : (i) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों

(प्रत्येक) में दीजिए।

(ii) प्रत्येक भाग में से कम-से-कम दो प्रश्नों के

उत्तर दीजिए।

(iii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I

1. कारण-कार्य सम्बन्ध क्या है ? इतिहास में कारण-कार्य सम्बन्ध स्थापित करने के लिए प्रयुक्त विधि की विवेचना कीजिए। 20
2. इतिहास-लेखन की ग्रीक-रोमन परम्पराओं की विवेचना कीजिए। 20
3. मगल शासन के दौरान इंडो-फारसी इतिहास-लेखन की परम्परा का वर्णन कीजिए। 20
4. प्रत्यक्षवाद का निर्माण करने वाली इतिहास-लेखन की विभिन्न परम्पराओं का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए। 20
5. 'सक्षम इतिहास' पर एक टिप्पणी इस परम्परा से जुड़े हुए इतिहासकारों के सन्दर्भ में लिखिए। 20

[7]

MHI-03

भाग-II

6. उत्तर-आधुनिकतावाद क्या है ? इतिहास पर उत्तर-आधुनिकतावादी दृष्टिकोणों की विवेचना कीजिए। 20
7. पर्यावरण, विज्ञान और तकनीक पर आधुनिक इतिहास-लेखन पर एक टिप्पणी लिखिए। 20
8. 'जनोन्मुखी इतिहास' की परिभाषा दीजिए। भारत पर लिखे गए इतिहास के सन्दर्भ में इसकी विवेचना कीजिए। 20
9. भारत पर राष्ट्रवादी इतिहास-लेखन की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए। 20

[8]

MHI-03

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 10+10
- (क) डी. डी. कोशाम्बी और भारतीय इतिहास-लेखन में विचारधारात्मक परिवर्तन
- (ख) भारतीय राष्ट्रवाद पर कैम्ब्रिज स्कूल के विचार
- (ग) भारत पर महिलावादी इतिहास-लेखन
- (घ) कल्हण और राजतरंगिणी

MHI-03

P. T. O.